शुक्ल जी का पारिवारिक परिदृश्य

प्रो0 रामचन्द्र शुक्ल का जन्म 1 मार्च 1925 को जिला बस्ती, हरैया तहसील में, एक छोटे से गांव शुक्लपुरा, के ब्राह्मण परिवार में पंडित रामाधार शुक्ल के यहाँ हुआ था। आपके परिवार में पठन-पाठन का वातावरण था किन्तु जीवन-यापन का मूलभूत साधन खेती बारी ही था।

कला क्या होती है ? वहाँ शायद ही कोई जानता रहा हो। सरयू के किनारे बसे इस ग्राम का भविष्य सदैव अधर में लटका रहता था क्योंकि सरयू में बाढ़ आ जाने पर अक्सर सब कुछ बना बनाया चौपट हो जाया करता था। अनिश्चितता के इसी वातावरण के कारण वहाँ नाममात्र की भी प्रगति संभव नहीं हो पायी थी। गरीबी व भुखमरी का सिलसिला बराबर काम करता था। यही कारण था कि अक्सर लोग अपनी जीविका चलाने के लिए परदेश चले जाया करते थे-बम्बई, कलकत्ता, बर्मा, रंगून या फिर आसपास के अन्य प्रगतिशील जिलों में जैसे-गोरखपुर, फैजाबाद, इलाहाबाद, कानपुर, लखनऊ आदि में। प्रो0 रामचन्द्र शुक्ल के पितामह पं0 लालता प्रसाद शुक्ल भी घर छोड़कर रोजगार खोजने ''रंगून'' चले गये थे।

प्रो0 रामचन्द्र शुक्ल के बाबा पं0 लालता प्रसाद शुक्ल 20-25 गाँव के जमींदार थे। ये हाथी घोड़े की सवारी करते थे और घर में हाथी घोड़े भी थे। पं0 लालता प्रसाद शुक्ल के दो पुत्र थे बड़े पण्डित राम अधार शुक्ल (प्रो0 रामचन्द्र शुक्ल के पिता) छोटे बेटे पण्डित रामप्रताप शुक्ल। रामचन्द्र शुक्ल के चचेरे भाई पं0 रामलखन शुक्ल इंविंग क्रिश्चियन कालेज (ई0सी0सी0) इलाहाबाद में हिन्दी के प्रोफेसर थे। इनके एक दूसरे